बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 200 ● नई दिल्ली ● शनिवार 09 अगस्त 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

दिल्ली में कौन खा रहा है अंदर से सड़क? जनकपुरी इलाके में अचानक धंसी रोड, फंसा ट्रक

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली में कब, कहां, किस जगह सड़क धंस जाए और उसमें कब किसकी जान पर बन आए, यह कहना मुश्किल है. खास तौर पर पश्चिमी दिल्ली के व्यस्ततम इलाकों में शुमार जनकपुरी, जहां पहले भी दर्जनों बार सड़कें धंस चुकी हैं. वहां एक बार फिर से सड़क धंसने की घटना सामने आई है. मामला जनकपुरी के पोसांगिपुर इलाके की है, जहां कल शाम अचानक सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंस गया और वहां से उस समय गुजर रहा ट्रक उसमें फंस गया. गनीमत यह रही कि ट्रक ड्राइवर या फिर अन्य कोई राहगीर इस घटना की चपेट में नहीं आया, वरना यह बड़े हादसे का रूप ले सकता था. आसपास के लोग साफ देख सकते हैं कि सड़क धंसने से ट्रक का पिछला हिस्सा उसमें फंस गया, जिसे बाद में क्रेन की सहायता से बाहर निकाला गया.

एसआईआर पर हंगामे से ठप हुई संसद, सरकार ने वापस लिया इनकम टैक्स बिल

नई दिल्ली। संसद में विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार (11 अगस्त) तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर शुक्रवार को भी दोनों सदनों में हंगामा किया। आज कार्यवाही शुरू होने के बाद सबसे पहले संसद के दोनों सदनों में भारत छोड़ो आंदोलन की 83वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका निभाने वाले अन्य महापुरुषों को श्रद्धांजलि दी गई। लोकसभा ने जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि दी जिनका गत पांच अगस्त को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था।

लोकसभा की कार्यवाही

विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर शुक्रवार को भी लोकसभा में हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजकर पांच मिनट पर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजे बैठक शुरू हुई तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रवर समिति की रिपोर्ट के अनुसार आयकर विधेयक, 2025 को वापस लेने की अनुमति मांगी और सभा की सहमति से सरकार ने विधेयक को वापस ले लिया। सदन में गैर-सरकारी कामकाज होने का उल्लेख करते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि आज शुक्रवार है जो सदस्यों का दिन होता है और विशेष रूप से विपक्ष के सदस्यों के लिए महत्वपूर्ण

होता है क्योंकि इस दिन गैर-सरकारी कामकाज होता है। रीजीजू ने कहा कि विपक्ष के सदस्य सरकारी कामकाज तो बाधित कर ही रहे हैं, आज उन्होंने गैर सरकारी कामकाज को भी अवरुद्ध किया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में विपक्ष के सांसद ये ना कहें कि सरकार ने सहयोग नहीं किया है। रीजीजू ने कहा कि सरकार ने शुरू से कहा है कि नियमों के तहत वह हर मुद्दे पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, ''आज विपक्ष के लोगों ने निजी कामकाज को भी बाधित किया है, इससे हम दुखी हैं।''

राज्यसभा की कार्यवाही

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण शुक्रवार को राज्यसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर बारह बज कर तीन मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि वर्तमान सत्र में लगातार हंगामे की वजह से सदन का अब तक 56 घंटे 49 मिनट का समय बर्बाद हो चुका है। उपसभापति हरिवंश ने बताया कि विभिन्न मुद्दों पर नियत कामकाज स्थगित कर चर्चा करने के लिए उन्हें नियम 267 के तहत 20 नोटिस मिले हैं। उपसभापति ने बताया कि ये नोटिस पूर्व में दी गई व्यवस्था के अनुरूप नहीं पाए गए अत- इन्हें खारिज कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात से, इसकी शुरुआत से अब तक कुल 34.13 करोड़ रुपये की आय हुई है। सूचना और प्रसारण राय मंत्री एल मुरुगन ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में शुक्रवार को राज्यसभा को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम आकाशवाणी मौजूदा संसाधनों के माध्यम से बिना अतिरिक्त खर्च के तैयार करता है।

सरकार ने बताया कि उसने तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी के निचले हिस्से पर चीन द्वारा एक विशाल बांध परियोजना का निर्माण कार्य शुरू करने की खबरों का संज्ञान लिया है। तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी को यारलुंग त्सांगपो के नाम से जाना जाता है। राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में विदेश राय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि इस परियोजना को पहली बार वर्ष 1986 में सार्वजनिक किया गया था और तब से ही चीन में इसकी तैयारियां चल रही थीं।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने सफाईकर्मियों के साथ मनाया रक्षाबंधन का त्योहार, बांधी राखी

नई दिल्ली।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक नई परंपरा की शुरुआत की है. उन्होंने शुक्रवार को दिल्ली नगर निगम के सफाईकर्मियों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया. यह कार्यक्रम जनसेवा सदन में रखा गया, जहां कई सफाईकर्मियों को बुलाया गया था. सीएम रेखा गुप्ता ने इन सफाईकर्मियों के हालचाल जाने और उन्हें राखी बांधी. सीएम रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में पधारे स्वच्छताग्रहियों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया. उन्हें राखी बांधी और हम सब ने साथ मिलकर स्वच्छ दिल्ली, सुंदर दिल्ली के संकल्प को फिर से दोहराया.

सफाईकर्मियों के समर्पण और अथक प्रयासों को दिल से सलाम- रेखा गुप्ता

रेखा गुप्ता ने आगे लिखा, दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान में स्वच्छताग्रहियों की सक्रियता सचमुच प्रशंसनीय है. ये न सिर्फ हमारी स्वच्छता मुहिम के सहभागी हैं, बल्कि उसकी असली ताकत, उसकी रीढ़ हैं. उनकी मेहनत दिल्ली को नया रूप देने का निस्वार्थ प्रयास है. उनके समर्पण और अथक प्रयासों को दिल से सलाम. इस सम्मान से नगर निगम के सफाईकर्मी भी खुश नजर आए. सफाईकर्मियों ने कहा, हमें बहुत खुशी है कि पहली बार मुख्यमंत्री ने सफाईकर्मियों का इतना मान सम्मान किया है. एक कर्मचारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने का भरोसा दिया है. सफाईकर्मियों की नई भर्ती के विषय पर भी बात हुई है.

31 अगस्त तक दिल्ली में चलाया जा रहा है सफाई अभियान

दिल्ली सरकार ने 1 अगस्त से 31 अगस्त तक राष्ट्रीय राजधानी में सफाई अभियान चलाया है. इसमें खुद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हिस्सा लिया. दिल्ली के लगभग सभी मंत्री और विधायक भी इस स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं. मुख्यमंत्री ने सभी दिल्लीवासियों से इस स्वच्छता अभियान में जुड़ने का अनुरोध भी किया. रेखा गुप्ता ने कहा कि इस स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हम सभी दिल्लीवासी 1 अगस्त से लेकर 31 अगस्त तक एक स्वच्छता अभियान चलाएंगे और दिल्ली को कूड़े से आजादी दिलाएंगे.

दिल्ली में यमुना में उफान से बढ़ा बाढ़ का खतरा, निचले इलाकों के लिए खतरे की घंटी

नई दिल्ली।

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर एक बार फिर खतरे के निशान से ऊपर चला गया है. पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश और हरियाणा के हथनीकुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी ने यमुना नदी के प्रवाह को तेज कर दिया है. इससे राजधानी दिल्ली में बाढ़ की आशंका गहरा गई है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने सभी संबंधित एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा है. दिल्ली में फिलहाल बारिश के हालात नहीं हैं, बावजूद इसके यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है. गुरुवार को यमुना का पानी चेतावनी स्तर 204.5 मीटर को पार कर गया, जबकि शुक्रवार को यमुना ने खतरनाक सीमा 205.33 मीटर भी लांघ ली. पुराने लोहे के पुल के पास पानी का बहाव सामान्य से काफी ऊपर है, जो कई निचले इलाकों के लिए खतरे की घंटी है. जलस्तर में अचानक हुई वृद्धि से दिल्ली में एक बार फिर से बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है, जिसे देखते हुए बाढ़ नियंत्रण विभाग ने भी सतर्कता बढ़ा दी है. अधिकारियों का कहना है कि यमुना में पानी बढ़ने की सबसे बड़ी वजह हथनीकुंड बैराज से लगातार पानी छोड़ा जाना है. पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही मूसलाधार बारिश के कारण बैराज से हर घंटे हजारों क्यूसेक पानी नदी में छोड़ा जा रहा है. जिससे दिल्ली का जलस्तर प्रभावित हो रहा है. बीते दिनों यमुना नदी का निरीक्षण करने वाले केंद्रीय मंत्री प्रवेश वर्मा ने सभी बैराज के गेट खुले होने की बात कहते हुए 2023 जैसी भयावह स्थिति न होने की बात दोहराई थी. लेकिन बढ़ते जलस्तर के बीच प्रशासन की तैयारियों की असली परीक्षा शुरू हो गई है. बचाव दल और एजेंसियां तैनात हैं, ताकि आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई हो सके. वहीं, दिल्लीवासियों से अपील की जा रही है कि वे यमुना किनारे न जाएं और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें.

पहले सलवार-सूट पहनने पर रोका, अब दे रहे डिस्काउंट... दिल्ली में मंत्री के एक्शन के बाद रेस्टोरेंट मालिक की निकली हेकड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली के पीतमपुरा स्थित टुबाटा रेस्टोरेंट के वीडियो वायरल होने पर दिल्ली सरकार ने तुरंत एक्शन लिया है। जिसके बाद कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए बताया कि रेस्टोरेंट के संचालकों ने स्वीकार कर लिया है कि परिधान आधारित कोई प्रतिबंध अब नहीं लगाएंगे। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा अपने एक और पोस्ट में लिखा कि पीतमपुरा के इस रेस्टोरेंट के संचालकों ने स्वीकार कर लिया है कि परिधान आधारित कोई प्रतिबंध अब नहीं लगाएंगे व भारतीय

परिधानों में आने वाले नागरिकों का स्वागत करेंगे। रक्षाबंधन पर भारतीय परिधानों में आने वाली बहनों को कुछ डिस्काउंट भी देंगे। इससे पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने गुस्सा जाहिर करते हुए लिखा था कि - पीतमपुरा के एक रेस्टोरेंट में भारतीय परिधानों पर रोक का वीडियो सामने आया है। ये अस्वीकार्य है। सीएम रेखा गुप्ता जी ने घटना का गंभीरता से संज्ञान लिया है। अधिकारियों को इस घटना की जांच व तुरंत कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। बता दें सोशल मीडिया पर एक दंपत्ति का वीडियो वायरल हुआ। जिसमें एक कपल ये कहते हुए देखे गए कि उन्हें भारतीय परिधान (सूट-सलवार) में होने के कारण से रेस्टोरेंट में जाने से रोक दिया गया। वीडियो में एक शख्स कहता हुआ नजर आया कि यहां के स्टाफ ने इंडियन कल्चर और एक महिला की बेइजती की है। क्या इंडियन कल्चर के कपड़े पहनना खराब है? ऐसे रेस्टोरेंट को बंद किया जाना चाहिए। जो रेस्टोरेंट हमारे कल्चर के खिलाफ है, उसको नहीं चलने दिया जा सकता है। अगर हमारी राष्ट्रपति आ जाएं, या फिर दिल्ली की सीएम जो खुद एक महिला हैं आ जाएं तो उनको भी यहां रोक दिया जाएगा। इन कपड़ों में क्या समस्या है? ऐसे रेस्टोरेंट को हिंदुस्तान में होना ही नहीं चाहिए।

दिल्ली के मंगोलपुरी और निहाल विहार में पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन, 10 जुआरियों को धर दबोचा

बाहरी दिल्ली। बाहरी जिला पुलिस ने गश्त के दौरान मंगोलपुरी और निहाल विहार क्षेत्र से जुआ खेलते हुए 10 जुआरियों को पकड़ा है। इनके पास से हजारों रुपये बरामद किए गए हैं। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि पांच अगस्त को गश्त के दौरान मंगोलपुरी पुलिस की टीम मंगोलपुरी के एन-ब्लाक के सामने पहुंचे और उन्होंने कुछ लोगों को अवैध जुआ खेलते देखा। पुलिसकर्मियों की मौजूदगी देखकर, संदिग्धों ने घटनास्थल से भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पांच आरोपितों को पकड़ लिया। इस दौरान जुए में दांव पर लगाई गई हजारों की नकदी और जुए से संबंधित अन्य सामग्री घटनास्थल से बरामद की गई। पुलिस ने दिल्ली सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 12,9,55 के के तहत मामला दर्ज कर लिया। वहीं, दूसरी तरफ पांच अगस्त को कमरुद्दीन नगर में गश्त के दौरान निहाल विहार पुलिस ने संडे बाजार रोड स्थित एक खाली प्लाट में कुछ लोगों को अवैध रूप से जुआ खेलते देखा। पुलिस की मौजूदगी को देखकर संदिग्धों ने मौके से भागने का प्रयास किया। पुलिस ने यहां से भी पांच आरोपितों को पकड़ लिया। जुए के लिए दांव पर लगाए गए हजारों रुपये नकद और जुए से संबंधित सामग्री घटनास्थल से बरामद की गई। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर इन्हें गिरफ्तार कर लिया।

भाई-बहन की जोड़ी

'ऑपरेशन सिंदूर' पर लंबे समय से प्रतीक्षित बहस अंततः संसद में हुई, हालांकि यह बिना बाधा के नहीं रही। विपक्ष ने पहले बहस की मांग को लेकर सदन की कार्यवाही रोक दी और जब सरकार ने चर्चा के लिए समय निर्धारित किया तो ऐन मौके पर एक नया मुद्दा उठाकर फिर से व्यवधान पैदा किया। मानसून सत्र के पहले दिन ही लोकसभा की कार्यवाही उस समय स्थगित करनी पड़ी, जब विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर जवाब मांगा जिसमें उन्होंने दावा किया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच शांति अमेरिका के हस्तक्षेप के बाद संभव हुई। सदन में प्रधानमंत्री जवाब दें के नारे लगे और लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के बीस मिनट के भीतर ही स्थगित कर दी गई। बाद में सरकार ने बहस के लिए सहमति दी और लंबी चर्चा के लिए समय भी तय कर दिया गया लेकिन अंतिम क्षणों में विपक्ष ने मुद्दा बदलते हुए बिहार की मतदाता सूची में एसआईआर रिपोर्ट पर चर्चा की मांग कर दी। इससे एक बार फिर कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे 'यू-टर्न' बताते हुए कहा-कांग्रेस और अन्य दल अब उन चर्चाओं से क्यों भाग रहे हैं, जिसकी वे दो महीने से मांग कर रहे थे, यह देश के साथ धोखा है। बहस से बचने के लिए बहाने खोजे जा रहे हैं। विवादों और पेचीदगियों के बावजूद बहस संसद में हुई लेकिन उसमें नाटकीयता की पूरी झलक थी,चर्चा से पहले भी और उसके दौरान भी। चर्चा से पहले कांग्रेस सांसद शशि थरूर और मनीष तिवारी पर विशेष ध्यान केंद्रित रहा, जिन्हें पार्टी ने अपने चुने हुए वक्ताओं की सूची में शामिल नहीं किया था। ध्यान देने योग्य है कि थरूर और तिवारी, दोनों ही 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सरकार द्वारा गठित उस सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे जिसने विभिन्न देशों का दौरा किया था। यह सैन्य अभियान पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में किया गया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। इन दोनों सांसदों की भूमिका एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न रही। खबरों के अनुसार थरूर से बोलने का आग्रह किया गया था लेकिन उन्होंने इन्कार कर दिया। वहीं मनीष तिवारी स्वयं बोलना चाहते थे लेकिन उन्हें अनुमति नहीं दी गई। थरूर ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वह पार्टी लाइन का अनुसरण नहीं करेंगे। उनके अनुसार 'ऑपरेशन सिंदूर' एक सफल सैन्य कार्रवाई थी और इसकी आलोचना करना उचित नहीं होगा। इसके बावजूद थरूर चर्चा के केंद्र में बने रहे, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा-कुछ नेताओं को लोकसभा में बोलने से इसलिए रोक दिया गया क्योंकि कांग्रेस को भारत के पक्ष में रखे गए रुख से पीड़ा थी। कुछ वर्षों पूर्व जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में विपक्ष के तत्कालीन नेता गुलाम नबी आज़ाद को विदाई दी थी तो वह दृश्य भावुकता से भरा हुआ था। प्रधानमंत्री ने नम आंखों से आज़ाद को 'सच्चा मित्र' बताया था और कहा था कि वे आगे भी उनसे परामर्श लेते रहेंगे। आज़ाद ने भी प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा था कि वे हर विषय में एक 'व्यक्तिगत स्पर्श' लेकर आते हैं। थरूर को लेकर प्रधानमंत्री की हालिया टिप्पणी उसी भावनात्मक लहजे की याद दिलाती है। दिलचस्प बात यह है कि उस घटना के एक वर्ष के भीतर ही गुलाम नबी आज़ाद ने कांग्रेस छोड़ अपनी पार्टी बनाई, जो ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सकी। जहां तक शशि थरूर की बात है, उनके लिए इस बहस का प्रमुख संदेश रहा- मौनव्रत। मनीष तिवारी ने भी कुछ ऐसा ही रुख अपनाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा यदि आप मेरी चुप्पी नहीं समझ सकते तो मेरी बातें कभी नहीं समझ पाएंगे। दिन की शुरुआत में ही तिवारी ने संकेत दिया था कि वे पार्टी के बजाय भारत की बात करेंगे। इसे सिद्ध करते हुए उन्होंने मनोज कुमार की देशभक्ति पर बनी फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का गीत उद्धृत किया भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं। थरूर की बेरुखी और तिवारी की काव्यात्मक प्रतिक्रिया से आगे बढ़ें तो संसद की बहस में भाषण, नाटकीयता और आत्मविश्वास से भरे वक्तव्य अवश्य थे, हालांकि गुणवत्ता के लिहाज से वे कुछ खास नहीं कहे जा सकते। कांग्रेस की ओर से बहस की शुरुआत उपनेता गौरव गोगोई ने की लेकिन चूंकि वे एक मध्य स्तरीय नेता हैं और वक्तव्य कौशल के लिए विशेष रूप से पहचाने नहीं जाते, उनकी शुरुआत फीकी रही। उनके उठने पर जरूर ध्यान खींचा और उद्घाटन वक्ता होने का लाभ मिला लेकिन वहीं तक। इस भूमिका के लिए गोगोई का चयन कांग्रेस में ऊर्जावान और प्रभावशाली वक्ताओं की कमी को दर्शाता है।

इसके बाद जिस ओर सबकी निगाहें थीं, वे थे राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ये तीनों इस बहस के प्रमुख किरदार रहे। प्रधानमंत्री मोदी के भाषण की मुख्य बातें थीं, किसी भी अंतर्राष्ट्रीय नेता ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम में मध्यस्थता नहीं की, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से कहा कि यदि पाकिस्तान हमला करेगा तो भारत और अधिक तीव्रता से प्रत्युत्तर देगा, पंडित नेहरू पर पाकिस्तान को बांध निर्माण के लिए वित्तीय सहायता देने का आरोप और यह कि पहलगाम हमले में धर्म के आधार पर लोगों को निशाना बनाया गया। इसी अंतिम बिंदु पर प्रियंका गांधी ने हस्तक्षेप किया और भावनात्मक प्रभाव छोड़ा। उन्होंने संसद में उन 25 भारतीयों के नाम पढ़े, जो आतंकियों की गोलियों का शिकार बने। जैसे ही उन्होंने पहला नाम पढ़ा, सत्ता पक्ष की ओर से 'हिंदू' का नारा लगा, जिस पर प्रियंका ने दो टूक जवाब दिया 'भारतीय'। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि उनकी प्राथमिकता धर्म नहीं, देश है। हंगामे के बीच भी प्रियंका गांधी ने अपने संदेश को मजबूती और संवेदनशीलता से रखा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि कांग्रेस सांप्रदायिक राजनीति से ऊपर है। अपने पूरे भाषण में प्रियंका ने संवेदना और तथ्य को संतुलित रूप से पिरोया। कोई नाटकीयता नहीं, कोई दिखावटी तीखी नहीं सिर्फ दिल से निकली बातें जो सीधे दिल तक पहुंचीं। उन्होंने अपनी मां के आंसुओं और अपने पिता की आतंकवादियों द्वारा हत्या का ज़िक्र करते हुए पहलगाम पीड़ित परिवारों के दर्द से स्वयं को जोड़ा। साथ ही, वे आत्मसम्मान, मुखर और स्पष्ट थीं। उन्होंने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वह पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने के बजाय नेहरू और इंदिरा गांधी के दौर की ओर भाग जाती है। उन्होंने भरे हुए सदन में कहा-आप इतिहास की बात करते हैं, मैं वर्तमान की करूंगी। वहीं राहुल गांधी, अपेक्षित रूप से अतीत में लौटे। उन्होंने इंदिरा गांधी और फिर यूपीए सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी पर सीधा निशाना साधते हुए उन्होंने कहा-अगर प्रधानमंत्री में इंदिरा गांधी की 50% भी हिम्मत है तो वे संसद में खड़े होकर कहें कि डोनाल्ड ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। यह राहुल गांधी अब वह नहीं हैं जिन्हें पहले कभी 'पप्पू' कहकर उपहास उड़ाया जाता था, अब वे एक परिपक्व नेता के रूप में उभर रहे हैं। भारत की अंतर्राष्ट्रीय स्थिति पर राहुल ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद किसी भी देश ने पाकिस्तान की निंदा नहीं की। यूपीए सरकार के दौरान पाकिस्तान को आतंकवाद के लिए वैश्विक मंचों पर घेरा जाता था, उन्होंने कहा, और सदन ने गंभीरता से उन्हें सुना। हालांकि उनके भाषण में 'भूसा', 'थप्पड़', 'झापड़' जैसे शब्द शामिल थे, जो शायद हटाए जा सकते थे परंतु यही राहुल गांधी की शैली है जो उन्हें अक्सर संसद में भी सड़क की राजनीति का स्वर दे देते हैं। मामले के तथ्यों की बात करें तो राहुल ने प्रियंका गांधी की तुलना में अधिक ठोस बिंदु रखे लेकिन दोनों ने मिलकर सरकार और विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जितना तीखा हमला इस बार किया, वैसा पहले कम ही देखा गया। राहुल बनाम प्रियंका की तुलना करना या 'गांधी बनाम गांधी' की बहस शुरू करना गलत होगा। राजनीतिक रूप से यह सवाल खड़ा किया जा सकता है कि कौन बेहतर है लेकिन उनके आपसी संबंध और तालमेल को देखते हुए यह कहना कि प्रियंका अपने भाई को पीछे छोड़ रही है, एक भ्रम मात्र है।

खालिस्तानी पन्नू पाकिस्तानियों की खुलकर पैरवी करने लगा

खालिस्तानियों के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने की बात अक्सर कही जाती रही है मगर आज उसके पुख्ता सबूत उस समय मिलते दिख रहे हैं जब खालिस्तानी संगठन सिख फार जस्टिस के मुखिया गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भारतीयों को दिए जाने वाले एच-1बी वीजा को तुरन्त प्रभाव से बंद करके पाकिस्तानी नागरिकों को दिए जाने की वकालत की है। गुरपतवंत सिंह पन्नू ने ट्रंप प्रचार अभियान और अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों को भेजे गए एक वीडियो संदेश में, साफ कहा कि भारतीय एच-1बी कर्मचारियों की लगातार आमद मेक अमरीका ग्रेट अमरीका एजेंडा को सीधा नुकसान पहुंचा रही है और इससे अमेरिकी परिवारों को नौकरी से हाथ धोना पड़ रहा है। वह बेघर हो रहे हैं। इतना ही नहीं खालिस्तानियों के द्वारा ऐसा भी प्रचार किया जा रहा है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी नारे के तहत एक उग्र राष्ट्रवादी अभियान शुरू किया है जिसमें भारतीयों से अपील की गई है कि वह भारतीय सामान खरीदें, भारतीयों को नौकरी दें, और विदेशी कंपनियों और उत्पादों को नकारें। खालिस्तानी मुखिया गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राष्ट्रपति ट्रंप से यह भी आग्रह किया कि वे पाकिस्तानी नागरिकों को एच-1बी वीजा और रोजगार-आधारित अवसर प्रदान करें, जिससे भारतीय वीजा वर्चस्व और भारतीय आईटी कंपनियों की आक्रामक लॉबिंग के चलते अमेरिकी श्रम बाजारों से व्यवस्थित रूप से बाहर रखा जा सके। पन्नू ने तंग मानसिकता का परिचय देते हुए योग्य पाकिस्तानी नागरिकों को अमेरिकी उद्योगों में योगदान देने का खुला अवसर देने की बात कही है जिसमें विशेष रूप से टेक और हेल्थकेयर क्षेत्रों में, जहाँ भारतीय आईटी कंपनियों ने अवैध रूप से अमेरिकी इमिग्रेशन सिस्टम का शोषण कर भर्ती प्रक्रिया पर कब्जा जमा लिया है वहां से भारतीयों को निर्वासित किया जाए एवं टेक और हेल्थकेयर क्षेत्र में पाकिस्तानी नागरिकों को अवसर दिए जाएं। राष्ट्रपति ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार स्टीफन मिलर पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि इमिग्रेशन नीति पर काफी धोखाधड़ी हुई है। यह धोखाधड़ी सबसे अधिक एच-1बी वीजा सिस्टम में देखने को मिली है। खासतौर पर भारतीय नियंत्रित स्टाफिंग नेटवर्क के माध्यम से। भारतीय कंपनियों पर वीजा धोखाधड़ी, फर्जी नौकरी प्रस्ताव, वेतन में कटौती, और श्रमिकों की तस्करी जैसे आरोप लगे हैं और उन पर जुर्माना भी लगाया गया है। इसके बावजूद, यह शोषण लगातार जारी है और अमेरिकी नागरिकों को उनकी ही नौकरी सिखाने के बाद निकालने की धमकी दी जाती है।

गुरु तेग बहादुर जी ने कश्मीरी पण्डितों की फरियाद पर हिन्दू धर्म की रक्षा हेतु अपने प्राणों का बलिदान दिया मगर अफसोस कि आज 350 साल बीतने के पश्चात् भी लोगों को इसकी जानकारी सही से नहीं है। जानकारी देना धार्मिक कमेटियों की जिम्मेवारी बनती थी जो अपने कार्य में पूरी तरह से विफल रही हैं उल्टा आज कुछ कट्टरपंथी सोच के सिखों के द्वारा तो इस इतिहास को ही गलत ठहराया जाने लगा है। आज तक गुरु तेग बहादुर जी को हिन्द की चादर इसलिए ही कहा जाता है क्योंकि उस समय हिन्दू धर्म पूरी तरह से खतरे में था। औरंगजेब का अत्याचार इस कदर बढ़ गया था कि वह इस देश में केवल एक ही धर्म रखने की ठान चुका था। मगर आज कट्टरपंथी ''हिन्द की चादर'' ना कहकर कोई ''सृष्टि की चादर'' तो कोई ''मानवता की चादर'' कहने लगे हैं जो दर्शाता है कि उनकी मन्शा पूरी तरह से इतिहास समाप्त करने की है।

अब इन लोगों से कोई पूछे कि क्या उस समय पूरा संसार खतरे में था या समूची मानवता गुरु जी ने तो हिन्दू धर्म को खतरे में देख उनकी रक्षा हेतु बलिदान दिया फिर ''हिन्द की चादर'' से परहेज क्यों? गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व को देश की सरकारों द्वारा आगे आकर मनाया जाना एक सराहनीय कदम कहा जा सकता है और यह सिर्फ इसलिए क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा जब गुरु गोबिन्द सिंह जी के साहिबजादों की शहादत को वीर बाल दिवस के रुप में मनाते हुए समूचे देशवासियों तक सन्देश पहुंचाया जिसके चलते आज देश के उन गांवों के घर-घर तक जानकारी मिली जिन्होंने कभी गुरु गोबिन्द सिंह जी का नाम तक नहीं सुना था। देशवासियों को पता चल सका कि साहिबजादे कौन थे और इतनी छोटी उम्र में उन्हें किसने और क्यों शहीद किया। इस बार भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा केन्द्र व सभी राज्य सरकारों को सरकारी स्तर पर धार्मिक कमेटियों के सहयोग से मनाने की अपील की है। इसलिए अब उम्मीद की जा सकती है कि गुरु तेग बहादुर जी की शहादत का इतिहास जो कि 350 सालों में सिख धर्म के लोग देशवासियों को नहीं बता पाए उसे देश व राज्य की सरकारों के माध्यम से हर देशवासी तक पहुंचाया जाएगा। इससे लोगों को पता चल सकेगा कि गुरु तेग बहादुर न होते तो आज शायद हिन्दू मन्दिरों में पूजा ना हो रही होती, इस देश में कोई और ही धर्म रह गया होता। गुरु जी की शहादत दिल्ली में हुई थी और सौभाग्यवंश दिल्ली में इस समय ऐसी सरकार है जो गुरु जी की शहादत को सच्चे दिल से नमस्कार करती है इसी के चलते रेखा गुप्ता सरकार के द्वारा दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के सहयोग अनेक कार्यक्रम करने की रुपरेखा तय की जा रही है। वहीं बिहार की नितिश सरकार के द्वारा तख्त पटना साहिब कमेटी के साथ मिलकर शहीदी जागृति यात्रा निकाली जा रही है जो कि गुरु का बाग के उस स्थान से जहां गुरु बाप बेटे का 6 साल की उम्र में पहली बार मिलन हुआ था से चलकर जिस स्थान पर आखिरी बार पिता के सीस के रुप में बेटे गोबिन्द राय की झोली में लेजाकर भाई जैता जी ने डाला था भाव आनंदपुर वहां जाकर समाप्त होगी।

शहीदी शताब्दी को एकजुट होकर मनाने की अपील

गुरु तेग बहादुर जी की शहीदी शताब्दी मनाने के लिए सिख जत्थेबंदियों के द्वारा अपने अपने स्तर पर तैयारियां की जा रही है जिसे सिख कौम का दुर्भाग्य ही कहा जा सकता है क्योंकि शहादत की ऐसी मिसाल दुनिया में और कहीं नहीं मिलती जहां शहीद होने के लिए कोई स्वयं चलकर गया हो। मगर अफसोस कि गुरु के सिख आज अनेक जत्थेबंदियों में बटकर रह गए हैं और हर कोई अपनी जत्थेबंदी को ऊंचा दिखाने के लिए अपना अलग कार्यक्रम बना रहा है। शिरोमणि अकाली दल दिल्ली के वरिष्ठ नेता हरविन्दर सिंह सरना का मानना है कि समूची कौम को आपसी मतभेद भुलाकर, जत्थेबंदियों की हदें पार करते हुए एकजुट होकर शताब्दी मनानी चाहिए जो कि वास्तव में गुरु जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

धार्मिक ग्रन्थों की बेअदबी पर सख्त कानून बनने चाहिए

पिछले कुछ समय से देखने में आ रहा था कि सिख धर्म के धार्मिक ग्रन्थ जिसे सिख धर्म के लोग जीवित गुरु का दर्जा देते हैं उसकी बेअदबी पंजाब और पंजाब से बाहर भी निरन्तर होती दिख रही थी। इतना ही नहीं इसके साथ ही गुटका साहिब और अन्य धार्मिक ग्रन्थों को भी शरारती तत्वों द्वारा कई बार नुकसान पहुंचाया जाता है। ऐसा शायद इसलिए भी होता है क्योंकि कुछ लोगों की मंशा देश का माहौल खराब करने की रहती है और उन्हें भलिभान्ति इस बात का ज्ञान रहता है कि सिख कौम एक जोशीली और धर्म के प्रति मर मिटने वाली कौम है जो जल्द ही एक्शन में आ जाती है। मगर अब तो अन्य धर्मों के ग्रन्थों के साथ भी बेअदबियां होने लगी हैं कई स्थानों पर मन्दिरों में स्थापित मूर्तियों के साथ भी छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आती हैं। अक्सर ऐसा करने वाले लोग बहुत जल्द कानून की गिरफ्त से छूट जाते हैं क्योंकि कोई सख्त कानून नहीं है। सिख ब्रदरहुड इन्टरनैशनल के राष्ट्रीय सैक्रेटरी जनरल गुणजीत सिंह बख्शी का मानना है कि केन्द की सरकार को अपील की है कि बेअदबी पर सख्त कानून बनाया जाना चाहिए इतना ही नहीं अगर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा कोई कानून बन जाए तो निश्चित तौर पर ऐसा करने वाले लोग चाहकर भी बेअदबी करने की गलती नहीं करेंगे।

सम्पादकीय...

ट्रम्प की दादागिरी !

कैसी विडम्बना है कि जिस अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को यह मालूम नहीं कि उसका देश रूस से क्या खरीदता- बेचता है वह भारत पर रूस से कच्चा पैट्रोलियम तेल खरीदने की वजह से तट कर या आयात शुल्क की दर में 25 प्रतिशत की वृद्धि करके इसे 50 प्रतिशत कर रहा है। ट्रम्प की इस मनमानी दादागिरी को भारत कभी सहन नहीं कर सकता है क्योंकि यह एक संप्रभु व सार्वभौमिक स्वतन्त्र देश है जिसे अपने फैसले अपने राष्ट्रहित में करने का पूरा अधिकार है। डोनाल्ड ट्रम्प बहुत बड़ी गफलत में हैं कि भारत उनके ऐसे फैसलों से सहम या डर जायेगा। भारत अमेरिका से तब भी नहीं डरा या घबराया था जब 1971 में बंगलादेश युद्ध के दौरान उसने अपना सातवां एटमी जंगी जहाजी बेड़ा बंगाल की खाड़ी में लाकर तैनात कर दिया था। उस समय तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को साफ कर दिया था कि अमेरिका पाकिस्तान की मदद करके भारत का कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। यह दौर तब का था जब वर्ष 1971 में ही भारत-सोवियत संघ (रूस) के बीच 20 वर्षीय सैनिक सन्धि हुई थी। रूस आज भी भारत का हर आपदा में परखा हुआ सच्चा मित्र है। अतः वर्तमान समय में भारत के रक्षा सलाहकार श्री अजित डोभाल की रूस यात्रा बहुत महत्वपूर्ण है और इस महीने के अन्त में प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की चीन यात्रा की महत्ता बहुत विशिष्ट होने जा रही है। एक जमाना वह भी था कि जब 80 के दशक में अमेरिका के राष्ट्रपति रीगन के शासन के दौरान 'भारत-रूस-चीन' त्रिकोण के सुरक्षा कवच की बातें हुआ करती थीं। मगर पिछले 25 वर्षों के दौरान भारत-अमेरिका के सम्बन्धों में गुणात्मक परिवर्तन आया है और ये मिठास भरे हुए हैं। खासकर 2008 में दोनों देशों के बीच हुए परमाणु करार के बाद परन्तु श्री ट्रम्प इनमें कड़वाहट घोलने से बाज नहीं आ रहे हैं। वह विश्व व्यापार संगठन की निर्देशावली के विरुद्ध जाकर आपसी व्यापारिक व वाणिज्यिक सन्धि अपनी शर्तों पर करना चाहते हैं और भारत को बार-बार यह धमकी देते रहते हैं कि विगत मई महीने की दस तारीख को भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे युद्ध को उन्होंने रुकवाया। उनका यह कथन अब भारत में 'अनर्गल प्रलाप' की तरह देखा जाने लगा है। भारत की स्वतन्त्रता के बाद से ही यह नीति रही है कि वह दूसरे देश के साथ अपने सम्बन्धों में किसी तीसरे देश को बीच में नहीं डालता है। अतः भारत-रूस सम्बन्धों को लेकर जिस तरह ट्रम्प भारत पर शुल्क बढ़ाने का फैसला सजा के तौर पर कर रहे हैं वह हिन्दुस्तान की अजमत पर हमला है। जिसके विरुद्ध पूरा देश इकट्ठा खड़ा हुआ है। इस सन्दर्भ में विपक्षी कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी का यह बयान बहुत महत्वपूर्ण है कि अमेरिका भारत को 'ब्लैकमेल' कर रहा है। जाहिर है कि अमेरिका के मुद्दे पर भारत का सत्ता पक्ष व विपक्ष एकमत है। भारत के विदेश विभाग ने शुल्क दर दुगनी किये जाने के विरोध में बहुत शालीनता बरतने का कार्य किया है और कहा है कि श्री ट्रम्प का यह फैसला अन्यायपूर्ण, गैर वाजिब व अनुचित है। यह कूटनीति की भाषा है जिसमें भारत ने डोनाल्ड ट्रम्प को समझाने की कोशिश की है कि वह किसी दूसरे देश की संप्रभुता का सम्मान करना सीखें। हाल ही में भारत का व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल अमेरिका की यात्रा करके लौटा है जिसमें इसने साफ कर दिया था कि भारत अपने कृषि क्षेत्र के हितों को पूरी तरह संरक्षित रखेगा और अमेरिकी कृषि जन्य उत्पादों के अमेरिका से आयात को हरी झंडी नहीं देगा। इसके जवाब में अमेरिका का व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी शीघ्र ही भारत की यात्रा करेगा। मगर इससे पहले ही विगत छह अगस्त को ट्रम्प ने घोषणा कर दी कि वह भारत से आयात होने वाले सामान पर 50 प्रतिशत की शुल्क दर लागू करेंगे। हालांकि यह दर 21 दिन बाद लागू होगी। मगर भारत अपनी शालीन मगर स्पष्ट प्रतिक्रिया में कह रहा है कि वह अपने 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा आपूर्ति के लिए खुले बाजार से कच्चा तेल विभिन्न देशों से खरीदता है। इस सन्दर्भ में साफ हो जाता है कि रूस से भी कच्चा तेल बाजार की शक्तियों के तहत ही खरीदा जाता है। जाहिर है कि कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए भारत केवल रूस पर ही आश्रित नहीं है तो ट्रम्प यह क्यों चाहते हैं कि भारत रूस से तेल न खरीदे? जाहिर है कि इसके पीछे उनकी नीयत साफ नहीं है और वह भारत से बदला लेने की तर्ज पर फैसले कर रहे हैं। भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्दी ही तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। वह दिन हवा हुए जब 1947 में इसका विश्व व्यापार में हिस्सा केवल एक प्रतिशत हुआ करता था। अब विश्व के सकल उत्पाद में भारत का हिस्सा 18 प्रतिशत है, जबकि अमेरिका 12 प्रतिशत के करीब है। भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से आगे बढ़ रही है जबकि विश्व के अन्य देशों की यह दर तीन प्रतिशत के करीब है। अतः ट्रम्प डरा किसे रहे हैं? क्या भारत उनकी वजह से उस रूस से अपने सम्बन्ध खराब कर ले जिसने हर संकट के समय भारत का पूरा साथ दिया है। ट्रम्प को यह समझना चाहिए कि भारत ने यह तरक्की अपने बूते पर पिछले 77 सालों में की है और आज वह एक वैध परमाणु शक्ति है। अमेरिका ने तो पचास के दशक में उसके साथ स्टील के कारखाने स्थापित तक करने से मना कर दिया था और आज अमेरिका खुद भारत से स्टील उत्पादों का आयात करता है। इस सन्दर्भ में भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री पं. जवाहर लाल नेहरू व अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति आइजनहावर के बीच हुए पत्राचार को देखा जा सकता है। आज श्री मोदी के नेतृत्व में पूरा भारत ट्रम्प की इस नाइंसाफी का जवाब देने के लिए एकजुट खड़ा हुआ है।

दिव्या देशमुख शतरंज की गोल्डन गर्ल

महिला शतरंज विश्व कप में दिव्या देशमुख के अद्भुत प्रदर्शन ने भारतीय शतरंज को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है। शायद ही कोई हफ्ता ऐसा गुजरता हो जब कोई भारतीय खिलाड़ी दुनिया के किसी न किसी कोने में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल न करता हो। फिर भी, सोमवार को जॉर्जिया के बटुमी में दिव्या ने जो किया वह ध्यान देने योग्य है। नागपुर की 19 वर्षीया खिलाड़ी ने एक बेहद कड़े नॉकआउट मुकाबले में अपने से कहीं ज्यादा मजबूत और अनुभवी प्रतिद्वंद्वियों को मात देते हुए सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में से एक जीत लिया। उन्होंने 15वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के रूप में शुरुआत की थी। उन्होंने फाइनल में एक और भारतीय, चौथी वरीयता प्राप्त कोनेरू हम्पी और मौजूदा विश्व रैपिड शतरंज चैंपियन को हराया जिससे इस आयोजन में देश के दबदबे का पता चलता है। दो अन्य भारतीय, डी. हरिका और आर. वैशाली भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई थीं। हालांकि जॉर्जिया में शानदार प्रदर्शन भारत को महिला शतरंज में महाशक्ति नहीं बनाता। यह सम्मान चीन के नाम है, जो पिछली तीन महिला विश्व चैंपियनों का घर है। हालांकि पुरुषों की तरह भारतीय महिलाओं ने भी पिछले साल बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड जीता था लेकिन चीन में ज्यादा गहराई है। दिव्या देशमुख के चैंपियन बनने पर उनके परिवार में खुशी का माहौल है। उनकी चाची डॉ. स्मिता देशमुख ने कहा, दिव्या की कड़ी मेहनत, उनके माता-पिता के त्याग और इस साल उनके द्वारा खेले गए बेहतरीन खेल की कड़ी मेहनत अब सबके सामने आ रही है। हमें दिव्या के आने का इंतजार है और यह हमारे परिवार के लिए खुशी का पल है। दिव्या देशमुख की जीत इसलिए और भी खास है क्योंकि उनके सामने मुश्किल चुनौती थी। टाई-ब्रेक में वह एक अंडरडॉग के रूप में उतरी थीं, जबकि कोनेरू हम्पी दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन और क्लासिकल शतरंज में विश्व नंबर 5 हैं। वहीं, दिव्या एफआईडीई महिला रैंकिंग में क्लासिकल में 18वें, रैपिड में 22वें और ब्लिट्ज में 18वें स्थान पर थीं। नागपुर की दिव्या की यह जीत उनकी शानदार उभरती प्रतिभा का सबूत है। पिछले साल उन्होंने विश्व जूनियर चैंपियनशिप जीती थी। 2024 में बुडापेस्ट में हुए शतरंज ओलंपियाड में उन्होंने भारत के स्वर्ण पदक जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। बाकू में उनकी जीत ने उन्हें शतरंज की दुनिया में उभरता सितारा बना दिया है। अब उनकी इस जीत से निश्चित तौर पर शतरंज प्रतियोगिताओं की वैश्विक बिसात पर भारत की मजबूत जगह बनी है। पिछले साल चार भारतीय पुरुष खिलाड़ियों- डी गुकेश, अर्जुन एरिगेसी, आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद विश्व शतरंज की शीर्ष दस की रैंकिंग में शामिल हो गए थे। अब दिव्या की जीत को भी शतरंज में भारतीय कामयाबी की एक कड़ी और भविष्य की उम्मीद के तौर पर देखा जा रहा है। दिव्या देशमुख के सात साल पहले के एक इंटरव्यू को एक पुरानी क्लिप पिछले कुछ दिनों में यूट्यूब पर खोजी गई और फिर से लोकप्रिय बना दी गई। यह 12 साल की बच्ची भारतीय महिला शतरंज का भविष्य है, वीडियो की हैडलाइन कुछ इस तरह है जैसे कोई भविष्यवक्ता शीशे की तरह क्रिस्टल बॉल में घूर रहा हो। वीडियो में देशमुख का चेसबेस इंडिया द्वारा इंटरव्यू लिया जाता है, जहां उनसे पूछा जाता है कि क्या उन्होंने अभी तक कोई विश्व चैंपियनशिप जीती है। एक हल्की सी मुस्कान के साथ देशमुख अपने खिताबों का बखान करने लगती हैं। अंडर-10 और अंडर-12 आयु वर्ग में विश्व और एशियाई चैंपियन। अंडर-7, अंडर-9 और अंडर-11 में राष्ट्रीय चैंपियन। अपनी उपलब्धियों का ज़िक्र करते हुए वह कभी-कभी रुक जाती हैं, मानो अपने मन को थोड़ी सांस लेने का समय दे रही हों। मुझे लगता है, बस इतना ही काफी है, वह कहती हैं। फिर 12 साल की बच्ची से शतरंज पर उसके जुझारूपन के बारे में पूछा जाता है कि वह किसी भी प्रतिद्वंद्वी से कैसे नहीं डरती और बताया जाता है कि अगर यह एक बड़ा दांव वाला खेल है तो वह जीत ही जाती है। यह सच हो सकता है, वह कहती है। यूट्यूब वीडियो के क्लिकबेट शीर्षक द्वारा की गई सात वर्ष पुरानी भविष्यवाणी जॉर्जिया में सच साबित हुई, यह वह देश है जिसने नोना गैप्रिंडाशविली और मैया चिबुरदानिद्ज़े जैसी महिला शतरंज की दुनिया की कुछ सबसे शुरुआती खिलाड़ी पैदा की हैं। दिव्या की सबसे खास बात थी पढ़ाई और शतरंज के बीच संतुलन बनाने की उसकी क्षमता, भवन के भगवानदास पुरोहित विद्या मंदिर की पूर्व प्रिंसिपल और प्रबंधन की वर्तमान अकादमिक समन्वयक अंजू भूटानी, जहां देशमुख ने पढ़ाई की थी, ने बताया। यहां तक कि प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए भी उसने अपनी पढ़ाई को कभी नजरअंदाज नहीं किया। उसने अपनी परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया, समय पर अपने असाइनमेंट जमा किए और बड़े खिताब जीतने के बावजूद हमेशा अपने लक्ष्य पर अडिग रही।

हर बार जब वह जीत के बाद लौटती तो चुपचाप अपनी ट्रॉफी लेकर मेरे केबिन के बाहर आकर खड़ी हो जाती। वह ज्यादा कुछ नहीं बोलती थी लेकिन अंदर आकर मुझे गले लगाती और साथ में तस्वीरें खिंचवाती। अब, जब शतरंज का बोलबाला है, देशमुख कहती हैं कि वह चीन की मौजूदा दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी होउ यिफान की बहुत प्रशंसा करती हैं, जिन्होंने कई बार महिला विश्व चैंपियनशिप जीती है। क्यों? क्योंकि होउ ने शतरंज में हर संभव जीत हासिल की, फिर पढ़ाई में हाथ आजमाया, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से रोड्स स्कॉलर के तौर पर मास्टर डिग्री हासिल की और फिर शेन्ज़ेन यूनिवर्सिटी में काम करना शुरू किया।

'जय श्री बांके बिहारी'

भारत की जनता धर्म प्राण है इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती मगर इसके साथ यह भी वास्तविकता है कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसके कण-कण में यह धर्म प्राण जनता अपने-अपने इष्ट देवों के प्रतिरूपों को खोजती रहती है। इसका कारण यह है कि भारत की धर्म प्राण जनता की अटूट आस्था भरत भूमि पर है। निश्चित रूप से यह आस्था साकार ब्रह्म के हिन्दू उपासकों के मन में अविरल बहती रहती है। यही सनातन है जो हजारों वर्षों से भारत की पहचान बना हुआ है। इसमें अंधविश्वास का पुट तब आता है जब सनातन के वैज्ञानिक स्वरूप को कुछ स्वार्थी तत्व अपने निजी हित में प्रयोग करने लगते हैं। भारत में भगवान कृष्ण के विभिन्न स्वरूपों की पूजा- अर्चना भी हजारों साल से चलती आ रही है जिसमें बांके बिहारी भी एक स्वरूप है। इस स्वरूप की सुन्दरता की व्याख्या किसी महाकवि द्वारा भी शब्दों में वर्णित करना असंभव है क्योंकि भारत के हिन्दू उपासक इसे पारलौकिक मानते हैं। पिछले कुछ वर्षों से ब्रज क्षेत्र के वृन्दावन में स्थित भगवान बांके बिहारी मन्दिर को लेकर खासा विवाद उत्पन्न इसलिए हो रहा है क्योंकि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अन्य प्रसिद्ध तीर्थ स्थानों की भांति यहां भी बांके बिहारी कॉरिडोर बनाना चाहती है जिसका विरोध स्थानीय पंडे या पुजारियों से लेकर क्षेत्र के दुकानदार व निवासी तक कर रहे हैं। यह विरोध उनके निर्वासित होने के डर की वजह से है। मगर इस बारे में राज्य की योगी सरकार लगातार आश्वासन दे रही है कि हर उजड़े हुए व्यक्ति का समुचित पुनर्वास किया जायेगा। श्री बांके बिहारी मन्दिर में पूरे भारत के हिन्दुओं की अटूट आस्था व श्रद्धा है और वे भारी संख्या में हर मौसम में यहां दर्शन करने के लिए आते हैं जिसकी वजह से मन्दिर में भारी भीड़ रहती है। विभिन्न अवसरों पर मन्दिर में भगदड़ के समाचार भी मिलते रहते हैं जिसमें बहुत से लोगों की जान तक चली जाती है। हालांकि राज्य सरकार की ओर से व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस आदि बल भी तैनात रहता है मगर मन्दिर के आसपास संकरी गलियों और बाजार को देखते हुए प्रबन्धन भली प्रकार नहीं हो पाता और अक्सर अप्रिय हादसे होते रहते हैं। इसके साथ ही मन्दिर का प्रबन्धन कुछ पुजारियों के परिवारों के हाथ में है। स्पष्ट है कि मन्दिर को हर साल करोड़ों रुपये का दान या भेंट श्रद्धालुओं द्वारा दिया जाता है। इस धन सम्पत्ति का व्यय ब्यौरा सरकार की पहुंच से बाहर रहता है जबकि दूसरी ओर भक्तों की भीड़ में हर वर्ष बढ़ोत्तरी होती रहती है। इसे देखते हुए ही योगी सरकार ने मन्दिर कॉरिडोर बनाने की घोषणा की थी। सबसे पहले यह समझ लिया जाना चाहिए कि मन्दिर किसी की निजी सम्पत्ति नहीं हो सकता। इतिहास बताता है कि किसी भी मन्दिर की स्थापना के समय किसी पुजारी को भी नियुक्त किया जाता था जो मन्दिर के प्रबन्धन के लिए जिम्मेदार होता था। अतः मन्दिर सार्वजनिक सम्पत्ति ही होता है क्योंकि उसका रखरखाव परोक्ष रूप से श्रद्धालु ही करते हैं। मगर बांके बिहारी मन्दिर को स्वामी हरिदास के वंशज गोस्वामी परिवार के लोग अपनी निजी सम्पत्ति बताते हैं। वास्तव में मुगलकाल के दौरान भक्त शिरोमणि तथा संगीत के महान मर्मज्ञ स्वामी हरिदास ने ही बांके बिहारी मन्दिर की स्थापना की थी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साय पॉकसनेता एन्स., दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2010/0862)

भाजपा महिला मोर्चा कानपुर उत्तर द्वारा पूर्व सैनिकों को राखी बांधी गई

कानपुर।

शुक्रवार को भाजपा कानपुर उत्तर जिले के जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित के नेतृत्व में महिला मोर्चा की बहनों ने रक्षा बंधन पर्व की पूर्व संध्या पर कारगिल पार्क, मोतीझील पहुँचकर पूर्व सैनिकों को रक्षा सूत्र (राखी) बांधकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम प्रातः 11 बजे आरंभ हुआ, जिसमें महिला मोर्चा की कार्यकर्त्रियाँ एवं पदाधिकारी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि रक्षा बंधन हिंदू भाई-बहनों के लिए गौरव का पर्व है। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनसे अपनी रक्षा का संकल्प लेती हैं। उन्होंने बताया कि इस पर्व का उल्लेख पुराणों में भी मिलता है। जब राक्षसों से देवताओं के राजा इंद्र परास्त होने लगे, तब वे अपने गुरु बृहस्पति के पास पहुंचे। गुरु ने सलाह दी कि यदि कोई अभिमंत्रित (सिद्ध) रक्षा सूत्र बांध दे तो युद्ध में विजय प्राप्त की जा सकती है। तब इंद्र की पत्नी ने उनके हाथ में अभिमंत्रित रक्षा सूत्र बांधा और वे युद्ध में विजयी हुए। तभी से यह पर्व परंपरागत रूप से मनाया जाता है। श्री पाल ने द्वापर युग का एक और प्रसंग सुनाते हुए रक्षा बंधन के महत्व पर प्रकाश

डाला। उन्होंने कहा कि जब श्रीकृष्ण का अंगूठा सुदर्शन चक्र चलाते समय घायल हो गया, तब द्रौपदी ने अपने आंचल का टुकड़ा फाड़कर उनके घाव पर बांध दिया। इस उपकार का बदला श्रीकृष्ण ने द्रौपदी के चीरहरण के समय उनकी लाज बचाकर चुकाया। यह प्रसंग दर्शाता है कि रक्षा बंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का त्योहार नहीं, बल्कि विश्वास और कर्तव्य का प्रतीक है। भाजपा कानपुर उत्तर के जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने इस अवसर पर कहा कि हमारे सैनिक सरहद पर रहकर अपने जीवन की परवाह किए बिना देश और हम सभी नागरिकों की रक्षा करते हैं।

उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन सिर्फ बहनों की रक्षा का ही पर्व नहीं बल्कि देश की रक्षा , पर्यावरण की रक्षा और आज के वर्तमान में हम सबको देश की आर्थिक रक्षा की भी आवश्यकता है इसलिए हम सब देशवासियों को अमेरिकन कंपनियों और उनके द्वारा बनाए गए समानों का बहिष्कार कर देश की आर्थिक रक्षा करने की भी शपथ लेनी चाहिए।और आज महिला मोर्चा की बहनों द्वारा पूर्व सैनिकों को राखी बांधना उनके प्रति कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा, ,,युवामोर्चा अध्यक्ष शिवांग मिश्रा केडीए बोर्ड मेंबर प्रमोद अग्रहरि बॉर्डर जिला उपाध्यक्ष रंजीता पाठक,सीमा एमबीए, आशा पाल, प्रमोद विश्वकर्मा अनुप्रिया दोषी, सुनीता गौड़,पूनम कंवर,रीना मिश्रा,राधा सैनी,पूनम यादव पूर्व पार्षद जितेंद्र सचान,प्रशांत त्रिपाठी मनोज प्रधान,,मनीष त्रिपाठी, रामकुमार सिंह,मनोज अग्रवाल, श्याम कुमारसहित सभी ने मिलकर सैनिकों के सम्मान और देश की रक्षा के संकल्प को दोहराया।

बच्चों ने प्रधानमंत्री को भेजा राखी और पत्र

समान शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की मांग

फतेहपुर। 'एक राखी बुन्देलखण्ड के नाम' अभियान के 30वें दिन बुन्देलखण्ड राष्ट्र समिति द्वारा मां रामश्री उदयभान सिंह इण्टर कॉलेज, आबूनगर, में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।विद्यालय के बच्चों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राखी और पत्र भेजकर पृथक बुन्देलखण्ड राज्य की मांग को दोहराया। बच्चों ने हाथों से बनी राखियाँ और भावनात्मक पत्र प्रधानमंत्री को समर्पित की, जिनमें समान शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास की मांग को प्रमुखता से उठाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य गुलाब सिंह यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अलावा बुन्देलखण्ड राष्ट्र समिति फतेहपुर के जिलाध्यक्ष ब्रजेश सोनी, जिला महामंत्री विनोद सिंह चंदेल और जिला उपाध्यक्ष हिमांशू श्रीवास्तव भी मंच पर उपस्थित रहे और बच्चों को संबोधित किया।

दरगाह के प्रतिनिधि मंडल मुरादाबाद डीआरएम से मिलकर उर्स स्पेशल ट्रेने चलाने मांग की

बरेली ।

उर्स-ए-रज़वी के संबद्ध में आज दरगाह प्रमुख हज़रत मौलाना सुब्हान रज़ा खान (सुब्हानी मियां) व सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां की ओर से एक प्रीतिनिधिमंडल डीआरएम मुरादाबाद संग्रह मौर्य से हाजी जावेद खान के नेतृत्व में मिला। दरगाह प्रमुख की ओर से मुरादाबाद गए हाजी जावेद खान,शाहिद खान नूरी,परवेज़ नूरी व ताहिर अल्वी ने पत्र सौंपकर अवगत कराया कि विश्व विख्यात उर्स-ए-रजवी इस वर्ष 18,19,20 अगस्त को बरेली में मनाया जाएगा। जिसमें देश के विभिन्न प्रदेशों से अकीदतमंद बड़ी संख्या रेल मार्ग द्वारा बरेली आते है। बाहर से आने वाले जायरीन की सुविधा के लिए बरेली की सभी दिशाओं में उर्स स्पेशल ट्रेन चलाने,उर्स के दौरान बरेली से गुजरने वाली सभी अप-डाउन ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने,उर्स स्थल पर टिकट विंडो खोलने व समय सारिणी लगाने और बरेली के सभी स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट विंडो और साफ- सफाई पानी की व्यवस्था कराने के अलावा सुरक्षा व्यवस्था चाक चौकंद रखने की मांग की। दरगाह से जुड़े नासिर कुरैशी ने बताया कि डीआरएम श्री मौर्य व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक प्रतिनिधिमंडल का आश्वस्त किया कि पिछले साल से बेहतर उर्स में इस बार रेलवे व्यवस्था करेगा। दरगाह की ओर से एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही डीआरएम इज्ज़त नगर से मिलकर ज़ायरीन की सहूलियत को मद्देनजर रखते हुए मांग पत्र सौंपेगा।

अपर ज़िला जज श्रीपाल सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक श्री शिवराज गोष्ठी रखे विचार

हर घर तिरंगाअभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम निरन्तर हो रहें आयोजित

बांदा।

अब तक महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर दीपाली गुप्ता के दिशा निर्देशन और समारोहिका डॉक्टर सबीहा रहमानी के संयोजन से महाविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाने की श्रंखला के साथ आज महाविद्यालय में दिनांक 8/8/025 को महाविद्यालय में काकोरी एक्शन प्लान के सौ साल पूरे होने पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई । आज महाविद्यालय में काकोरी एक्शन प्लान की सौवीं वर्षगाँठ पूरी होने पर महाविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया ।

इस विचार गोष्ठी के मुख्य अतिथि रहे अपर ज़िला जज श्री श्रीपाल सिंह जी और अपर पुलिस अधीक्षक श्री शिवराज सिंह जी । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर दीपाली गुप्ता ने । इस विचार गोष्ठी के मुख्य वक्ता रहे विभागाध्यक्ष इतिहास डॉक्टर जयप्रकाश सिंह । इस अवसर पर ज़िला विधिक प्राधिकरण बांदा की ओर से पराविधिक स्वयं सेवी और संयोजक आरोग्य भारती श्री तरुण और महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर जितेंद्र कुमार उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन समारोहिका डॉक्टर सबीहा रहमानी द्वारा किया गया । इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्रा आस्था ने सविस्तार काकोरी एक्शन प्लान पर सविस्तार विचार प्रस्तुत किए । मुख्य अतिथि ने विचार गोष्ठी पर अपने महत्वपूर्ण एवं सारगर्भित विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज हम जिस स्वतंत्रता का अनुभव कर रहे हैं वह अपनी जान की आहुति देकर हमें आज़ाद करवा गए । इस अवसर पर छात्राओं को विभिन्न कानूनों के प्रति व हर घर तिरंगा अभियान हेतु जागरूक किया गया । यह श्रंखला दिनांक 15/07/2025 तक जारी रहेगा।

10 ग्राम स्मैक के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

बहराइच। पुलिस अधीक्षक बहराइच द्वारा अपराध एंव अपराधियो के विरुद्ध कार्यवाही एवं अवैध शराब निष्कर्षण व बिक्री व मादक पदार्थों की तस्करी के रोकथाम के संबंध में दिये गये निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी क्षेत्राधिकारी मिहींपुरवा हर्षिता तिवारी के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम जुर्म जरायम को रोकने हेतु मुझ थानाध्यक्ष आनन्द कुमार चौरसिया द्वारा गठित पुलिस टीम द्वारा आज थाना क्षेत्र बलईगांव से अभियुक्त नन्द किशोर यादव पुत्र विन्द्रा प्रसाद यादव उम्र करीब 33 वर्ष निवासी खमरिया दा0 चौधरी गांव थाना मोतीपुर जनपद बहराइच को गिरफ्तार कर उसके पास से 10 ग्राम स्मैक बरामद किया गया व उसके विरुद्ध मु0अ0स0 402/25 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायिक हिरासत हेतु न्यायालय रवाना किया गया।

अमित शाह, गृह एवं सहकारिता मंत्री एवं नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

गोरखपुर ।

आज इसका परिचालन सीतामढ़ी से 05599 सीतामढ़ी-दिल्ली उद्घाटन स्पेशल के रूप में किया गया । दिल्ली और सीतामढ़ी के मध्य गाड़ी सं. 14048/14047 दिल्ली-सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस का नियमित परिचालन दिल्ली से 09.08.2025 से प्रत्येक शनिवार को तथा सीतामढ़ी से 10.08.2025 से प्रत्येक रविवार को किया जाएगा । गाड़ी सं. 14048 दिल्ली-सीतामढ़ी अमृत भारत एक्सप्रेस 09. 08. 2025 से प्रत्येक शनिवार को दिल्ली से 14.00 बजे खुलकर गाजियाबाद, टुंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसिवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, सिकटा, रक्सौल, बैरगनिया स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 10.45 बजे सीतामढ़ी पहुंचेगी ।

अमित शाह,गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार एवं नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा दिनांक 08.08.2025 को सीतामढ़ी से नई दिल्ली के लिए एक नई अमृत भारत ट्रेन सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया । आज इसका परिचालन सीतामढ़ी से 05599 सीतामढ़ी-दिल्ली उद्घाटन स्पेशल के रूप में किया गया । दिल्ली और सीतामढ़ी के मध्य गाड़ी सं. 14048/14047 दिल्ली-सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस का नियमित परिचालन दिल्ली से 09.08.2025 से प्रत्येक शनिवार को तथा सीतामढ़ी से 10.08.2025 से प्रत्येक रविवार को किया जाएगा । गाड़ी सं. 14048 दिल्ली-सीतामढ़ी अमृत भारत एक्सप्रेस 09. 08. 2025 से प्रत्येक शनिवार को दिल्ली से 14.00 बजे खुलकर गाजियाबाद, टुंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसिवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, सिकटा, रक्सौल, बैरगनिया स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 10.45 बजे सीतामढ़ी पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 14047 सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस 10.08.2025 से प्रत्येक रविवार को सीतामढ़ी से 22.15 बजे खुलकर उपरोक्त स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 22.40 बजे दिल्ली पहुंचेगी। विदित हो भारतीय रेल की

ओर से बिहार को मिलने वाली यह सातवीं अमृत भारत ट्रेन है। इससे पहले जब देश में पहली बार अमृत भारत ट्रेनें बनकर तैयार हुई थी, तो उनका परिचालन दरभंगा से वाया अयोध्या आनंद विहार टर्मिनल तथा मालदा टाउन से सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरू के बीच किया गया था। सहरसा और मुंबई के मध्य अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन का प्रारंभ माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया था ।

इसके अलावा पटना और नई दिल्ली के बीच प्रतिदिन अमृत भारत एक्सप्रेस के साथ-साथ मोतिहारी से आनंद विहार के लिए, दरभंगा से लखनऊ तथा भागलपुर, गया, सासाराम के रास्ते मालदा टाउन से लखनऊ के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है जिससे बिहार के लोगों को काफी लाभ मिल रहा है। अमृत भारत ट्रेनों का निर्माण मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री में किया गया है। इसे खास तौर पर मध्य एवं निम्न आय वर्ग के लोगों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें स्लीपर और जनरल क्लास के डिब्बे लगे हुए हैं।

आधुनिक सुविधाओं से लैस अमृत भारत ट्रेन के नए संस्करण में कई-नई सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं, जिससे अमृत भारत 2.0 पहले से कहीं ज्यादा सुविधाजनक और हाईटेक हो गई है।

अमृत भारत ट्रेन लो बजट में यात्रा करने का एक सुविधाजनक और विश्वसनीय माध्यम बन गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में जानकारी दी थी कि देश में 100 नए अमृत भारत रेक निर्माणाधीन हैं, जिन्हें भारतीय रेल के विभिन्न रूटों पर चलाया जाएगा। अमृत भारत 2.0 ट्रेन के कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर जैसी सुविधाएं प्रदान की गई हैं।

इनमें हवाई जहाज की तर्ज पर रेडियम एलिमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप, एयर स्प्रिंग बॉडी जैसी सुविधाएं प्रदान की गई हैं, जिससे सफर आरामदायक होता है। इस ट्रेन के प्रत्येक शौचालय में इलेक्ट्रो न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमेटिक सॉप डिस्पेंसर और एरोसॉल आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम लगाया गया है, जिससे स्वच्छता और सुरक्षा को मजबूती प्राप्त होगी। शौचालयों के निर्माण में शीट मेटल कंपाउंड सामग्री का उपयोग किया गया है जिससे रख-रखाव आसान होगा। अमृत भारत 2.0 ट्रेन में 130 किमी/घंटा रफ्तार देने की क्षमता है। भारतीय रेल के इतिहास में पहली बार ट्रेन में सेमी-ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किया गया है, जो न केवल यात्रा को सुगम बनाती है, बल्कि कनेक्शन को भी सुविधाजनक बनाती है। लोकोमोटिव के साथ यह रेक स्थिरता के साथ उच्चतम गति और बेहतर संचालन सुनिश्चित करता है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कपलर में क्रैश ट्यूब और -असिस्टेड ब्रेक सिस्टम की सुविधा दी गई है, जिससे तेजी से ब्रेक लग सकेगा।

ये फीचर पहली बार भारतीय ट्रेनों में जोड़ा गया है। इसके अलावा पूरी तरह से सील गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूशन सिस्टम से लैस है। यात्री और सुरक्षा-गार्ड के बीच दो-तरफा संचार के लिए प्रत्येक कोच में इमरजेंसी टॉक बैक सिस्टम की नई सुविधा जोड़ी गई है। गैर-एसी कोचों में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा यात्रियों की सुरक्षा में नई क्रांति है। ऑन-बोर्ड कंडीशन मॉनिटरिंग सिस्टम से रियल टाइम व्हील और बियरिंग की निगरानी होती है। इंटरनेट आधारित वाटर लेवल इंडिकेटर स्टेशनों और ऑन-बोर्ड स्टाफ को सहायता प्रदान करते हैं। देश में पहली बार किसी ट्रेन में बाहरी आपातकालीन लाइट्स की सुविधा भी दी गई है।

हाईकोर्ट जज को आपराधिक मामलों की सुनवाई से रोकने वाला आदेश रद्द; कोर्ट ने 4 अगस्त के फैसले से दो पैरा हटाए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपनी उस टिप्पणी को हटा दिया, जिसमें उसने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश प्रशांत कुमार की एक दीवानी विवाद मामले में आपराधिक कार्यवाही की अनुमति देने के लिए आलोचना की थी। साथ ही कोर्ट ने यह साफ किया कि उसका इरादा उन्हें शर्मिंदा करने या उन पर आक्षेप लगाने का नहीं था। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने दोहराया कि ये टिप्पणियां न्यायपालिका की गरिमा बनाए रखने के लिए की गई थीं। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की ओर से मामले में पुनर्विचार करने के अनुरोध के बाद शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इन टिप्पणियों को हटा रही है। जस्टिस प्रशांत कुमार को फटकार लगाने वाले अपने आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारा इरादा हाईकोर्ट के जज पर आक्षेप लगाना या उन्हें शर्मिंदा करना नहीं था। हम दोहराते हैं कि हमने जो कुछ भी कहा, वह न्यायपालिका की गरिमा बनाए रखने के लिए था। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज की सबसे खराब आदेश पारित करने के लिए आलोचना करने वाली अपनी टिप्पणियों को हटा दिया। कोर्ट ने कहा कि हम पूरी तरह से स्वीकार करते हैं कि हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रोस्टर के मास्टर हैं। हम इस मामले में फैसला लेने का काम उन पर छोड़ते हैं। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने 4 अगस्त को जारी एक कठोर निर्देश में हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस भंसाली से कहा था कि जस्टिस कुमार को उनकी सेवानिवृत्ति तक आपराधिक मामले सुनने वाले रोस्टर से हटा दिया जाए। यह भी कहा गया था कि उन्हें हाईकोर्ट के किसी अनुभवी जज के साथ खंडपीठ में बिठाया जाए। जस्टिस कुमार के खिलाफ यह निर्देश और तीखी टिप्पणियां उनकी ओर से दीवानी मामले में आपराधिक प्रक्रिया अपनाने संबंधी फैसले के कारण की गई थी। शीर्ष कोर्ट के जजों ने कहा था कि उन्होंने उनके सामने आया अब तक का सबसे खराब फैसला था। इस बीच इलाहाबाद हाईकोर्ट के कम से कम 13 जजों ने जस्टिस प्रशांत कुमार के मामले में सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के खिलाफ फुल कोर्ट की बैठक बुलाने के लिए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अरुण भंसाली को पत्र लिखा था। जस्टिस अरिंदम सिन्हा ने चीफ जस्टिस भंसाली को पत्र लिख कर कहा, इस 4 अगस्त, 2025 का विवादास्पद आदेश नोटिस जारी करने के निर्देश के बिना दिया गया था और इसमें विद्वान न्यायाधीश के विरुद्ध तीखी टिप्पणियां हैं। जस्टिस सिन्हा ने पत्र में सुझाव दिया कि फुल कोर्ट यह निर्णय ले कि हाईकोर्ट जस्टिस कुमार को आपराधिक मामलों की सूची से हटाने के आदेश का पालन नहीं करेगा, क्योंकि शीर्ष अदालत के पास उच्च न्यायालयों पर प्रशासनिक अधीक्षण नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि फुल कोर्ट को उक्त आदेश के स्वर और भाव के संबंध में अपनी पीड़ा दर्ज करनी चाहिए। इस बीच कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि खुद सुप्रीम कोर्ट के कई जजों ने जस्टिस पारदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ की ओर से जारी निर्देश पर आपत्ति जताई है। सारे विवादों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इस मामले को फिर से सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया था।

जो भारत में जन्मा नहीं उसे वोट का अधिकार नहीं- शाह

अयोध्या में श्रीराम तो बिहार में सीता का धाम, अमित शाह ने पुनौराधाम में किया जानकी मंदिर का भूमिपूजन

सीतामढ़ी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार के सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम स्थित जानकी मंदिर के पुनर्विकास की आधारशिला रखी जिसे देवी सीता का जन्मस्थली माना जाता है। 882.87 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली इस परियोजना के शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, कई केंद्रीय मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। दोपहर एक बजे भूमि पूजन का कार्यक्रम शुरू हुआ। ये मंदिर 2028 में पूरा होगा। पुनौराधाम में हुए एक भव्य कार्यक्रम में अमित शाह ने मंत्रोच्चार के बीच मां जानकी मंदिर की नींव रखी। गृह मंत्री ने शंखनाद के बीच आरती भी की। शिलान्यास कार्यक्रम में अयोध्या-काशी, मिथिला के आचार्यों ने वेद मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न कराई। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सीतामढ़ी में इस मंदिर के शिलान्यास को सियासी नजरिये भी देखा जा रहा है। अयोध्या में 2024 के लोकसभा

चुनाव के पहले अयोध्या में राम मंदिर का भव्य उद्घाटन किया गया था। पीएम मोदी के अलावा उस कार्यक्रम में हजारों हस्तियां पहुंची थीं। अमित शाह ने शुक्रवार को चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चल रहे राजनीतिक विवाद को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्षी दल बहाने ढूंढ रहे हैं क्योंकि उन्होंने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में अपनी हार स्वीकार कर ली है। एसआईआर को लेकर हुंकार भरते हुए शाह ने कहा कि लालू प्रसाद यादव किसे बचाना चाहते हैं? क्या आप उन बांग्लादेशियों को बचाना चाहते हैं जो बाहर से आकर बिहार के लोगों की नौकरियाँ छीन लेते हैं? शाह ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी को ये वोट बैंक की राजनीति बंद करनी चाहिए और एसआईआर, ये पहली बार नहीं हो रहा है। इसकी शुरुआत जवाहरलाल नेहरू ने की थी और 2003 में भी यही हुआ था... बिहार चुनाव हारने के बाद ये बहाने ढूंढ रहे हैं। शाह ने वहां मौजूद लोगों से पूछा कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले घुसपैठियों के नाम

'बिहार में स्पष्ट बहुमत से एनडीए की सरकार बन रही है

'शाह ने कहा- लालू और राहुल घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं

'शाह बोले- लालू ने गुंडई के अलावा कुछ नहीं किया

वोटर लिस्ट से हटाए जाने चाहिए या नहीं? भारत का संविधान उन लोगों को वोट देने का अधिकार नहीं देता जो भारत में पैदा नहीं हुए। राहुल गांधी संविधान लेकर घूम रहे हैं, उन्हें भी इसे खोलकर पढ़ना चाहिए। एसआईआर, ये इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि घुसपैठिए इनका वोट बैंक है। अमित शाह ने कहा कि बिहार में बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि मैं तेजस्वी यादव से पूछना चाहता हूं, उनके पिता और माता लंबे समय तक सत्ता में रहे। गुंडागर्दी, गैंग व्हार, अपहरण करने, फिरौती मांगने के अलावा आपने मिथिलांचल के विकास के लिए क्या किया? शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और लालू संसद में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध कर रहे थे...लालू एंड कंपनी को पता नहीं है कि ये नरेंद्र मोदी की सरकार है, एनडीए की सरकार है। देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने का किसी को हक नहीं है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने वैश्विक मंच पर मिथिला की कला को हमेशा आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति को मधुबनी पेंटिंग भेंट की और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति को भी मिथिलांचल की कला का नमूना देकर विदेश में मिथिला की कला का गौरव बढ़ाया है। मां जानकी की जन्मस्थली पर जो यह भव्य मंदिर बनने जा रहा है, यह केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि मिथिलांचल के भाग्योदय की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि मिथिला, वाल्मीकि रामायण से लेकर महाभारत और बौद्ध व जैन साहित्य तक - हमारी संस्कृति का केंद्र रहा है। धर्मशास्त्र, साहित्य, संगीत, भाषा और तत्वज्ञान का यह एक बहुत बड़ा केंद्र रहा है।

बाराबंकी मार्ग पर बस पर गिरा पेड़, चार महिलाओं सहित पांच की मौत, यूपी सरकार ने मुआवजे का किया एलान

बाराबंकी। बाराबंकी जिला मुख्यालय से नौ किलोमीटर दूर हैदरगढ़ मार्ग पर रोडवेज की अनुबंधित बस पर गूलर का पेड़ गिर गया। पेड़ बस के अगले हिस्से पर गिरा। हादसे में चार महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत हो गई। एक महिला की पहचान शहर के मोहल्ला गुलरिया गार्डन की निवासी शिक्षा मेहरोत्रा (53) के रूप में हुई है। तीन अन्य महिलाओं की आयु 40 से 45 साल के मध्य है। पेड़ काटकर लोगों को निकाला गया। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस में 40 लोग सवार थे। हादसे के बाद कई यात्री खिड़की से कूदकर निकले। बारिश के दौरान हुए हादसे के कारण राहत व बचाव कार्य में देर लगी। घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और मृतकों के परिजनों को 25 लाख की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री जी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनका समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। सवारियां लेकर बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही बस पर करीब साढ़े 10 बजे जैदपुर थाना क्षेत्र की ग्राम हरख में स्थित राजा बाजार के पास पेड़ गिर पड़ा। पेड़ इतनी तेज गिरा कि बस के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बारिश के बीच में पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस और वन विभाग को सूचना दी। बस के अंदर फंसे लोगों की चीखपुकार दिल को दहला देने वाली थी। पेड़ काटने का काम वन विभाग के कर्मचारियों ने किया। ग्रामीण सहयोग में लगे रहे। सीएमओ अवधेश कुमार यादव ने बताया कि हादसे में चार महिला व एक ड्राइवर सहित कुल पांच की मौत हुई है। बस में सवार एक यात्री नादिया ने बताया कि वो देवाशरीफ होकर वापस लौट रही थीं कि रास्ते में हादसा हो गया। हादसे में उनकी मां घायल हुई हैं। कोटवा निवासी शिक्षिका शैल कुमारी ने बताया कि वह असेंद्रा ट्रेनिंग के लिए जा रही थीं। अचानक बस चालक ने जोर से आवाज लगाई और उसी समय बस पर पेड़ गिर चुका था, जिससे कई यात्री घायल हो गए। उन्होंने बताया कि लगभग डेढ़ घंटे बाद पेड़ को काटकर हटाया गया तब यात्री बाहर निकल पाए।

हुमा कुरैशी के भाई की निर्मम हत्या

मर्डर-बलात्कार और लूटपाट की घटनाएं यहां आम- आप नेता सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में हर दिन कोई न कोई वारदात सामने आ रही है। ताजा मामला निजामुद्दीन इलाके में अभिनेत्री हुमा कुरैशी के चचेरे भाई आसिफ की हत्या से जुड़ा है। जिसके बाद दिल्ली आप अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज का बयान सामने आया है। सौरभ भारद्वाज ने हाल ही में हुई कांग्रेस सांसद से चेन स्नैचिंग की वारदात पर उन्होंने कहा कि दिल्ली में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। दिल्ली आप अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि राजधानी दिल्ली में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। कुछ दिन पहले लुटियन जोन के चाणक्यपुरी में एक सांसद की चेन छीन ली गई। चेन स्नैचिंग, मोबाइल स्नैचिंग और कार में तोड़फोड़ करके चोरी करना इतना आम हो गया है कि लोगों ने अब शिकायत दर्ज कराना बंद कर दिया है। हत्या, बलात्कार और लूटपाट की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियों को बस एक ही काम दिया गया है, आप नेताओं को झूठे मामलों में फंसाना है।

आंध्र प्रदेश में गैस सिलेंडर विस्फोट में 5 लोगों की मौत, मृतकों के परिजनों को 10 लाख का मुआवजा दिया जाएगा

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में बुक्का स्ट्रीट के पास गुरुवार को गैस सिलेंडर में हुए विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट एक कबाड़ की दुकान में हुआ, जहाँ वेल्डिंग सिलेंडर में खराबी आ गई थी। विस्फोट इतना जोरदार था कि पीड़ितों के शरीर बिखर गए और उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने विशाखापट्टनम में घरेलू गैस सिलेंडर विस्फोट में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा गुरुवार को की। बुरुसपतिवार रात को एक वेल्डिंग की दुकान में घरेलू गैस सिलेंडर के फटने से तीन लोगों की मौत हो गई। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने विशाखापट्टनम में फिशिंग हार्बर के पास स्थित वेल्डिंग की दुकान में सिलेंडर विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए सरकार की ओर से अनुग्रह राशि की घोषणा की है।

सीएम योगी ने छोटी बच्ची से बंधवाई राखी, खाई मिठाई; कहा- स्वदेशी को बनाये जीवन का मंत्र

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के समापन पर देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस समारोह में सीएम योगी ने छोटी बालिकाओं के हाथों राखी भी बंधवाई और बेटियों को मिठाई और चॉकलेट भी उपहार में दी। इसके बाद उन्होंने म्यूजियम में सेल्फी और फोटोशूट भी कराया। कार्यक्रम स्थल पर पीपल का पौधा भी लगाया। साथ ही स्वदेशी वस्तुओं को आत्मसात करने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वदेशी को जीवन का मंत्र बनाने से दुनिया की कोई ताकत भारत का बाल भी बांका नहीं कर पायेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा ''स्वदेशी हमारे जीवन का ध्येय बने, स्वदेशी हमारे जीवन का मंत्र बने, हम जियेंगे स्वदेशी के लिए, हम मरेंगे अपने देश के लिए। अपनी राष्ट्रभक्ति की इस पराकाष्ठा के साथ जब भारत आगे बढ़ेगा तो दुनिया की कोई ताकत भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाएगी। आजादी का यह संदेश हम सबको इस उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है।

स्वदेशी उपहार ही खरीदें: योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आर्थिक ताकत भी राष्ट्रनिर्माण से जुड़ी है और जब हम विदेशी वस्तुएं खरीदते हैं, तो न सिर्फ हमारा पैसा विदेश जाता है, बल्कि वही पैसा आतंकवाद और उग्रवाद में उपयोग होता है। उन्होंने अपील की कि आने वाले त्योहारों (रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, दशहरा, दीपावली, छठ) में स्वदेशी वस्तुएं ही उपहार में दें और खरीदें। उन्होंने कहा कि पर्व और त्योहारों में जब हम इस दौरान कोई स्वदेशी वस्तु खरीदते हैं तो हमारे हस्तशिल्प और कारीगर काम पाते हैं। सीएम योगी ने कहा, यह देश के विकास, उत्थान में खर्च होगा। हम जो भी उपहार देंगे या अपने घर के लिए खरीदेंगे, भले ही तात्कालिक रूप से थोड़ा महंगा हो, लेकिन वही खरीदेंगे जो स्वदेशी होगा। मुख्यमंत्री ने 2 अक्टूबर को हर उत्तर प्रदेशवासी से गांधी आश्रम जाकर खादी खरीदने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने काकोरी ट्रेन एक्शन में शहीद हुए देश के सपूतों को नमन किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहीद सैनिकों के परिजनों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री ने शहीद सैनिकों के परिजनों को भी मंच पर सम्मानित किया, जबकि काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना पर आधारित एक पुस्तक का भी विमोचन किया। इस दौरान संस्कृति विभाग के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ, जिसमें काकोरी ट्रेन एक्शन की उस घटना को प्रस्तुत किया गया।

कार पर अचानक गिरी बड़ी चट्टान, फिर गाड़ी गहरी खाई में गिरी, छह लोगों की मौत

चंबा। हिमाचल प्रदेश के भंजराडू-रहवा-भड़कवास मार्ग पर हुए भीषण हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। पहाड़ी से गिरे बड़े पत्थर के कारण वीरवार रात सफेद रंग की स्विफ्ट साउआ पधरी के समीप लुढ़क कर करीब 500 मीटर गहरी खाई में गिर गई। चीख-पुकार सुन मौके पर पहुंचे स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचित किया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग और पुलिस टीमों ने ग्रामीणों की मदद से सभी छह लोगों के शव गहरी खाई से निकालकर सड़क तक पहुंचाए। शुक्रवार को मृतकों का पोस्टमार्टम सिविल अस्पताल तीसा में किया जाएगा। बताया जा रहा है कि जेबीटी अध्यापक राजेश कुमार जो वर्तमान में प्राथमिक स्कूल कुलवास में कार्यरत थे। यह दुर्घटना कार पर अचानक एक बड़ी चट्टान गिरने और फिर गहरी खाई में गिरने के कारण हुई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने बताया कि हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है। पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

आईईडी ब्लास्ट में कोबरा बटालियन के 2 जवान घायल

चाईबासा।

झारखंड के चाईबासा जिले में एक बार फिर नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को निशाना बनाया है। शुक्रवार को सारंडा जंगल के दीघा इलाके में हुए आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था

और अधिक कड़ी कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नक्सलियों ने इलाके में पहले से ही आईईडी बिछा रखा था। जब कोबरा बटालियन के जवान नियमित गश्त पर निकले, तभी वे विस्फोट की चपेट में आ गए। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास का इलाका दहल उठा। ब्लास्ट की आवाज दूर-दूर तक सुनी गई।

मोदी वोट चुराकर प्रधानमंत्री बने- राहुल गांधी

बेंगलुरु।

कांग्रेस के नेता और सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग को निशाने पर लिया है. उन्होंने शुक्रवार को बेंगलुरु में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव में हमारा गठबंधन जीत जाता है, लेकिन 4 महीने बाद बीजेपी विधानसभा चुनाव जीत जाती है. हमने पता लगाया है कि चुनाव में गड़बड़ी हुई है. उन्होंने कर्नाटक और बिहार का भी जिक्र किया. राहुल ने चुनाव आयोग पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाया. राहुल ने महाराष्ट्र और कर्नाटक का जिक्र करते हुए कहा कि हमने पता लगाया तो जानकारी मिली कि 1 करोड़ नए लोगों ने वोट डाला है. उन्होंने कहा, जो लोग लोकसभा में वोट डालने नहीं आए थे, वे 1 करोड़ लोग जादू से वोटिंग करने आ गए, इन बढ़े हुए वोट के सहारे इन्होंने चुनाव जीता. हमें पता था कि दाल में कुछ काला है. कर्नाटक में भी हम लोकसभा चुनाव में 16 सीटों पर जीत रहे थे, लेकिन हम केवल 9 सीट जीते. यह भी फर्जी तरीके से हुआ था. हमने पता लगाया है, लेकिन चुनाव आयोग कोई जवाब नहीं दे रहा है. राहुल ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, बीजेपी और चुनाव आयोग

■ चुनाव आयोग हमें डेटा दे, हम साबित कर देंगे- राहुल गांधी

■ ये मुझसे एफिडेविट मांगते हैं, मैंने संविधान की शपथ ली- राहुल

लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं. हर हिंदुस्तानी नागरिक को हमारा संविधान वोट का अधिकार देता है. हमें इसकी रक्षा करनी है. हमने संविधान की भी रक्षा की थी, पिछले चुनाव में भाजपा ने संविधान पर हमला किया था. बीजेपी सरकार हर संवैधानिक संस्थान को खत्म करना चाहती है.

संविधान पर हमला कर रहे चुनाव आयोग के अधिकारी - राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इलेक्शन कमीशन को लेकर कहा, हमारी चुनाव आयोग से मांग है कि हमें वोटिंग की पूरी वीडियोग्राफी दें. हम यह साबित कर देंगे कि इन्होंने वोटों की चोरी की है और केवल कर्नाटक में ही नहीं पूरे देश में यही किया है. चुनाव आयोग बीजेपी का नहीं है, यह देश का संस्थान है. चुनाव आयोग के सभी अफसर संविधान पर हमला कर रहे हैं.

राहुल का आरोप - चुनाव आयोग ने बंद की वेबसाइट्स

उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी केवल 25 सीटों की वजह से प्रधानमंत्री बने हैं और हमें अगर इलेक्ट्रॉनिक डाटा मिल जाए तो यह साबित कर देंगे को मोदी चोरी करके प्रधानमंत्री बने हैं. 25 सीटें ऐसी हैं जो केवल 35 हजार के मार्जिन से भाजपा ने जीती हैं. मैं अकेला यह सवाल नहीं कर रहा, हिंदुस्तान की सभी विपक्षी पार्टियां यही सवाल कर रही हैं. चुनाव आयोग ने वेबसाइट्स को बंद कर दिया. राजस्थान, बिहार की वेबसाइट बंद कर दी हैं.

राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोप पर चुनाव आयोग का सख्त रुख, कहा- सबूत दो, वरना देश से माफी मांगो

राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने शुक्रवार को कहा कि अगर राहुल गांधी अपने आरोपों के पक्ष में हलफनामा देते हैं, तभी मामले की जांच की जाएगी। आयोग के सूत्रों ने कहा कि यदि राहुल अपने आरोपों को साबित नहीं कर पाते तो उन्हें देश से माफी मांगनी पड़ेगी। चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा कि इस बार आयोग चाहता है कि राहुल गांधी नियमों के अनुसार घोषणापत्र और शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें। आयोग ने राहुल गांधी को संबोधित करते हुए कहा, आप हमेशा की तरह गोली मारकर भाग जाने या टक्कर मारकर भाग जाने वाला रवैया नहीं अपना सकते हैं। आयोग का मानना है कि राहुल हमेशा चुनाव के बाद ही आरोप लगाते हैं, जबकि चुनाव के दौरान कोई शिकायत दर्ज नहीं कराते।

तैयारी करके झूठ बोलते हैं राहुल गांधी... वोट चोरी वाले आरोपों पर बीजेपी का करारा पलटवार

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता भूपेन्द्र यादव ने कहा कि बहुत दिनों से हमारे देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक एटम बम छोड़ने की बात कर रहे थे। मुझे कल किसी मित्र ने कहा कि ये तो जिस पेड़ पर बैठे थे, उसी को कुल्हाड़ी से काटने का काम कर रहे थे। सच कहूं, तो कांग्रेस के युवराज और नेता प्रतिपक्ष की भाषा का जो अहंकार था, जो चुनाव आयोग के कर्मचारियों के लिए था। भाजपा नेता ने सवाल किया कि क्या विपक्ष के किसी नेता को भारत के अधिकारियों के खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए? और जब हमारे सशस्त्र बलों पर हमला करने की बात आती है, तो हमेशा राहुल गांधी ही आगे आते हैं। क्या देश की संवैधानिक संस्थाओं के कर्मचारियों के लिए ऐसी भाषा नेता प्रतिपक्ष को शोभा देती है। देश की सेना के गौरव पर सवाल उठाने वाले भी राहुल गांधी ही हैं। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर कांग्रेस के नेता सुप्रीम कोर्ट को ऊंचा-नीचा बोलने से नहीं चूकते। भूपेन्द्र यादव ने कहा कि इस देश की आर्मी, चुनाव आयोग, संसद ये सब ऐसी संस्थाएं हैं, जो स्वायत्त और स्वाधीन होकर काम करती हैं। हम सब इसके द्वारा पूरी तरह नियंत्रित हैं। इसलिए कोई स्वतंत्र निकाय जब किसी भी राजनीतिक प्रोसेस को फॉलो करती है, तो उसे हम सभी को मानना चाहिए। क्योंकि, इन सभी संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देश के संविधान ने दिया है। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी ने तैयारी करके बहुत बड़ा झूठ बोला। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में 1 करोड़ वोट बढ़े। यादव ने कहा कि भारतीय चुनाव आयोग की वेबसाइट पर है कि 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा में 9,71,41, 289 वोटर थे और लोकसभा के समय 9,30,61,760 वोटर थे। लोकसभा और विधानसभा के बीच 40 लाख वोट बढ़े, जबकि राहुल गांधी 1 करोड़ बता रहे हैं। तो 60% का मार्जिन हुआ। क्या आगे से वो कुछ भी बोलेंगे, तो क्या उसे 60% माइनस करके समझा जाए। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ने जो नकली आख्यान बनाने की कोशिश की है, वो उन्हीं के तथ्यों से पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। अपनी राजनीति के लिए, कांग्रेस पार्टी झूठे दावे गढ़कर भारत की संवैधानिक संस्थाओं को नीचा दिखाने की कोशिश कर रही है। लेकिन हमारा भारतीय संविधान मजबूत है और भारत की जनता ने बार-बार उनके झूठे दावों को नकारा है।

2019 में कांग्रेस फर्जी वोटों के चलते हारी, राहुल के बाद खरगे ने भी मोदी सरकार पर साधा निशाना

बेंगलुरू। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को बेंगलुरू के फ्रीडम पार्क में आयोजित वोट अधिकार रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने वोट चोरी का आरोप लगाते हुए कहा कि 2019 का लोकसभा चुनाव भी फर्जी वोटों के कारण हारा था। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार चोरी की सरकार है। देश को फर्जी वोटों से चला रहे हैं। मैंने 2019 में कहा था कि कांग्रेस फर्जी वोटों के चलते हारी। अब वो बात सच साबित हो रही है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के इशारे पर काम करता है। खरगे ने कहा कि बेंगलुरु की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 6.6 लाख वोटों का सत्यापन हुआ है और यह धोखेबाज चुनाव था। उनका आरोप है कि चुनाव आयोग तय करता है कि कहां वोट कम हों और कहां ज्यादा, ताकि भाजपा को फायदा मिले। खरगे ने कहा कि महाराष्ट्र, कर्नाटक और 2024 के लोकसभा चुनावों में भी भाजपा ने गैरकानूनी तरीके से जीत हासिल की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी, हम जनता के बीच जाकर उन्हें सबक सिखाएंगे। इसके साथ ही खरगे ने बताया कि 11 अगस्त को इंडिया गठबंधन के सांसद दिल्ली में चुनाव आयोग के दफ्तर तक मार्च करेंगे और वोटिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करेंगे। इसके साथ ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने महात्मा गांधी के नारे करो या मरो को दोहराया। उन्होंने कहा कि अब संविधान की रक्षा के लिए भी हमें यही करना होगा। राहुल गांधी ने भी कहा कि संविधान बाबा साहब अंबेडकर, महात्मा गांधी, नेहरू और सरदार पटेल की आवाज है, और कांग्रेस उसे हर हाल में बचाएगी।